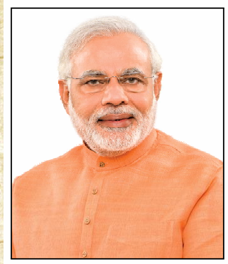

सत्यमेव जयते

प्रधानमंत्री
Prime Minister

संदेश

श्री महंथ रामाश्रय दास स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भुड़कुड़ा, गाजीपुर के स्वर्ण जयंती की सभी शिक्षकों,, विद्यार्थियों, कर्मचारियों और पूर्व छात्रों को हार्दिक बधाई। इस अवसर पर श्री महंथ रामाश्रय जी की स्मृति प्रतिमा का अनावरण, समारोह का आयोजन व स्वर्ण जयंती विशेषांक पत्रिका 'अपराजिता' का प्रकाशन सराहनीय है।

पचास वर्षों की यह गौरवपूर्ण यात्रा केवल एक संस्थान की उपलब्धि नहीं है, बल्कि शिक्षा के उस सतत् प्रवाह का प्रतीक है जो हमारी संत परंपरा से निकलकर आज नई पीढ़ी तक पहुँच रहा है। बुला, गुलाल और भीखा जैसे सिद्ध संतों ने जो ज्ञान की ज्योति प्रज्वलित की वह इस महाविद्यालय के रूप में समाज को आलोकित कर रही है।

आज हमारे शिक्षण संस्थान ज्ञान के केन्द्र के साथ-साथ नवाचार, अनुसंधान और सामाजिक चेतना के पोषक बन रहे हैं। युगानुकूल राष्ट्रीय शिक्षा नीति और प्रौद्योगिकी के विस्तार से युवाओं को अपनी क्षमताओं को वैश्विक स्तर तक पहुंचाने का अवसर मिल रहा है। विश्व की सबसे अधिक युवा आबादी वाले देशों में अग्रणी भारत को आज विश्व किसी भी समस्या के समाधान के लिए आशा भरी दृष्टि से देखता है।

अमृत काल में युवा शक्ति ही भारत के भविष्य का आधार है और हमारे प्रतिभाशाली युवा अपने सपनों और संकल्पों से एक सुनहरे भविष्य की रचना कर रहे हैं। आज शिक्षा राष्ट्र निर्माण और आत्मनिर्भर भारत का सबसे सशक्त साधन बन गई है। इस कर्तव्य काल में हमारे विद्यार्थी अपने लक्ष्यों को राष्ट्र की प्रगति से जोड़ते हुए देश की उन्नति में बड़ा योगदान देंगे।

मुझे विश्वास है कि स्वर्ण जयंती का यह विशेष अवसर श्री महंथ रामाश्रय दास स्नातकोत्तर महाविद्यालय से जुड़े सभी लोगों में एक नई ऊर्जा का संचार करेगा। संस्थान के संस्थापक महंथ श्री रामाश्रय दास जी के जीवन से प्रेरणा लेकर सभी विद्यार्थी शिक्षा को साधन ही नहीं बल्कि साधना के रूप में अपनाते हुए देश व समाज की बेहतरी के लिए कार्य करेंगे।

महाविद्यालय की स्वर्ण जयंती से जुड़े कार्यक्रम से जुड़े सभी लोगों को भविष्य के प्रयासों के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

(नरेन्द्र मोदी)

नई दिल्ली
भाद्रपद 15, शक संवत् 1947
06 सितम्बर, 2025

पत्र संख्या- 343/पी0एस0-सी0एम0/2025

योगी आदित्यनाथ

मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

लोक भवन,
लखनऊ - 226 001

दिनांक : 12 सितम्बर, 2025

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि श्री महंथ रामाश्रय दास स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भुडकुडा, गाजीपुर की वार्षिक पत्रिका 'अपराजिता' का स्वर्ण जयन्ती विशेषांक प्रकाशित किया जा रहा है।

महाविद्यालय द्वारा अपनी स्थापना के स्वर्ण जयन्ती समारोह का आयोजन एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। मुझे विश्वास है कि यह आयोजन संस्थान की विगत 50 वर्षों की यात्रा से प्रेरणा प्राप्त करने और भविष्य की कार्ययोजना को निर्धारित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर सिद्ध होगा।

स्वर्ण जयन्ती विशेषांक के सफल प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनाएं।

(योगी आदित्यनाथ)

दूरभाष : **0522-2289017 / 2289010 / 2289167** फैक्स : **0522 - 2239234** ईमेल - **cmup@nic.in**

मनोज सिन्हा
उपराज्यपाल, जम्मू-कश्मीर

सत्यमेव जयते

राज भवन
जम्मू - 180001

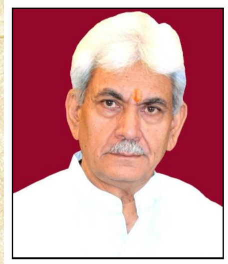

आज़ादी का
अमृत महोत्सव

मुझे यह जानकर अति प्रसन्नता हुई कि श्री महन्थ रामाश्रय दास स्नातकोतर महाविद्यालय, भुड़कुड़ा, गाजीपुर, अपनी स्थापना की स्वर्ण जयंती के ऐतिहासिक अवसर पर 'अपराजिता' विशेषांक का प्रकाशन कर रहा है।

संतों के आशीर्वाद एवं उनकी तपस्या की ऊर्जा से सराबोर महाविद्यालय ने पिछले 50 वर्षों में एक बड़ी जनसंख्या को ज्ञान के प्रकाश से आलोकित करके गाजीपुर में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नए प्रतिमान स्थापित किए हैं।

शिक्षा ही वह सबसे बड़ा माध्यम है जिसके जरिए युवा समुदाय को उनकी गरिमा का आभास दिलाया जा सकता है तथा उनकी क्षमता को पूरी तरह से सामाजिक कार्यों में लगाया जा सकता है। यह खुशी की बात है कि श्री महन्थ रामाश्रय दास स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने अनुपम प्रयासों द्वारा देश के पुनर्निर्माण और विकास के लिए शिक्षा द्वारा उल्लेखनीय योगदान दिया है।

मैं इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकों एवं छात्रों को बधाई देता हूँ। अपराजिता विशेषांक के सफल प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(मनोज सिन्हा)

जनवरी 11, 2023

जम्मू

श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य

RAJ BHAVAN
GUWAHATI

दिनांक : 31 अगस्त, 2025

संदेश

यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि श्री महंथ रामाश्रय दास स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भुड़कुड़ा, गाजीपुर (उत्तर प्रदेश) ने पूर्वांचल के सुदूर ग्रामीण अंचल में शिक्षा की अलख जगाते हुए अपनी पचास वर्षों की गौरवशाली यात्रा पूर्ण की है। इस स्वर्णिम अवसर पर महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'अपराजिता' का स्वर्ण जयंती विशेषांक प्रकाशित किया जा रहा है, जो निश्चय ही संस्थान की उपलब्धियों और सृजनशील परंपरा का उज्ज्वल प्रतीक बनेगा।

उत्तर प्रदेश की पावन धरती ने सदैव शिक्षा, संस्कृति और आध्यात्मिकता की अमूल्य धरोहर को संजोकर रखा है। ऐसे ऐतिहासिक और गौरवमयी वातावरण में स्थापित यह महाविद्यालय ज्ञानार्जन के साथ-साथ चरित्र निर्माण, सामाजिक उत्तरदाायित्व और मानवीय मूल्यों के संरक्षण का सतत प्रयास करता रहा है। यह न केवल शिक्षण का केंद्र है, बल्कि संस्कार और सामाजिक चेतना का भी आलोक-स्तंभ है।

'अपराजिता' नाम अपने आप में अदम्य जिजीविषा और सतत् प्रगति का द्योतक है। स्वर्ण जयंती जैसे पावन अवसर पर यह स्मरण आवश्यक है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होता। उसका वास्तविक लक्ष्य जीवन-मूल्यों का संवर्धन, राष्ट्रहित की चेतना का जागरण और समाज के प्रति उत्तरदायी नागरिक तैयार करना है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह विशेषांक आने वाली पीढ़ियों के लिए इसी दिशा में प्रेरणा का प्रकाशपुंज बना रहेगा।

मैं महाविद्यालय के प्राचार्य, सम्पादकीय मंडल, अध्यापकों, विद्यार्थियों तथा पूर्व छात्रों को इस पावन अवसर पर हृदय से बधाई देता हूँ।

पत्रिका के स्वर्ण जयंती विशेषांक हेतु मेरी अनंत शुभकामनाएं।

(लक्ष्मण प्रसाद आचार्य)

योगेन्द्र उपाध्याय

मंत्री

उच्च शिक्षा विभाग

कक्ष सं0- 63 बी/डी मुख्य भवन
विधान भवन, लखनऊ।
दूरभाष-0522-2238051 (कार्या0)
0522-22388112

दिनांक : 02. 09.2025

संदेश

संतों की तपोभूमि में स्थापित श्री महंथ रामाश्रय दास स्नातकोत्तर महाविद्यालय भुड़कुड़ा, गाज़ीपुर अपने स्थापनाकाल से ही न केवल ज्ञान का केंद्र रहा है अपितु अध्यात्म, संस्कार, साधना और समर्पण की परंपरा का संवाहक है। हमारी शिक्षा मुक्तकरी, युक्तकरी, अर्थकरी होने के साथ व्यक्ति, समाज, राष्ट्र एवम् विश्व के लिए कल्याणकारी कैसे हो इस दिशा में यह महाविद्यालय सतत प्रयासरत है। महाविद्यालय की प्रकाश्यमान पत्रिका 'अपराजिता' का स्वर्णजयंती विशेषांक संस्थान की गौरवमयी यात्रा, उसकी शैक्षणिक उपलब्धियों तथा सांस्कृतिक धरोहर का सजीव दस्तावेज़ सिद्ध होगा।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह विशेषांक विद्यार्थियों में सृजनात्मकता, साहित्यिक चेतना तथा नैतिक मूल्यों के प्रति गहन आस्था जाग्रत करेगा। ईश्वर करे कि ग्रामीण परिवेश में स्थित यह ज्ञान-केन्द्र वर्षों-वर्षों तक आने वाली पीढ़ियों को आलोकित करता रहे। इक्कीसवीं सदी के भारत निर्माण में संलग्न महाविद्यालय परिवार के सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं सहयोगियों को मैं हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

(योगेन्द्र उपाध्याय)

प्रो. वन्दना सिंह
कुलपति

Prof. Vandana Singh
Vice-Chancellor

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय
जौनपुर - 222003 (उ.प्र.)

Veer Bahadur Singh Purvanchal University
Jaunpur - 222003 (U.P)
E-mail: vc.vbspuniversity@rediffmail.com

पत्रांक : 1483/कु0का0/2025 दिनांक : 26.08.2025

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि श्री महंथ रामाश्रय दास स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भुड़कुड़ा गाजीपुर **'स्वर्ण जयन्ती समारोह'** का आयोजन कर रहा है तथा स्वर्ण जयन्ती विशेषांक के रूप में अपने वार्षिककांक 'अपराजिता' को प्रकाशित कर रहा है। महाविद्यालय की स्वर्ण जयन्ती के पावन समारोह का यह अवसर केवल उत्सव का नहीं बल्कि आत्ममंथन, उपलब्धियों के मूल्यांकन और भविष्य की दिशा तय करने का एक अद्वितीय क्षण है। 50 वर्षों की यात्रा संघर्ष, समर्पण, परिश्रम और उपलब्धियों से परिपूर्ण रही है। महाविद्यालय की स्थापना शिक्षा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के उद्देश्य से की गई थी। बीते पाँच दशकों में इस महाविद्यालय ने अपने उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण, अनुशासन नैतिक मूल्यों और सर्वांगीण विकास की परम्परा से न जाने कितने विद्यार्थियों को ज्ञान से सुसज्जित कर समाज को श्रेष्ठ नागरिक प्रदान किया है। शिक्षकगणों का योगदान इस यात्रा में अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। उनके अथक प्रयासों, मार्गदर्शन और स्नेह ने विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को आकार दिया है। इस अवसर पर हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि आने वाले वर्षों में हम अपने महाविद्यालय को शैक्षणिक, अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएँगे।

इस पत्रिका के प्रकाशन में लगे सभी विद्वद्जनों को साधुवाद देती हूँ और मंगल कामना करती हूँ कि ''अपराजिता'' के माध्यम से जुड़े लोगों में नव चेतना का अभ्युदय होगा। सुधी अध्येत्ताओं के उच्च संरक्षण में पुष्पित एवं पल्लवित होकर यह पत्रिका अपने समस्त उद्देश्यों में सफल रहेगी।

अनन्त शुभकामनाओं के साथ,

प्रो. (वन्दना सिंह)
कुलपति

प्रो. आनन्द कुमार त्यागी
कुलपति

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ,
वाराणसी-221 002

दिनांक : 01 सितम्बर, 2025

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि श्री महंथ रामाश्रय दास स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भुड़कुड़ा, गाजीपुर द्वारा अपनी स्थापना के 80 वर्ष पूर्ण करने के उपलक्ष्य में स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर महाविद्यालय के संस्थापक परम पूज्य श्री रामाश्रय दास जी महाराज की स्मृति-प्रतिमा का अनावरण करने के साथ ही महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'अपराजिता का भी प्रकाशन किया जायेगा।

पत्र-पत्रिकाएं शैक्षिक संस्था के शैक्षिक क्रियाकलापों का दर्पण होती हैं, जो शैक्षिक संस्था की प्रगति में जुड़ते आयामों से जन सामान्य को परिचित कराती हैं।

आशा है कि पत्रिका में संस्थापक के उद्देश्य एवं विचारों को प्राथमिकता के साथ-साथ ज्ञान-विज्ञान, साहित्य, संस्कृति और नवीन जानकारियों से परिपूर्ण सामग्रियों का संकलन कर प्रकाशन किया जायेगा, जिससे विद्यार्थी एवं शिक्षा जगत लाभान्वित होगा।

मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन की कामना करते हुए इस कार्य में लगे सभी सुधीजनों को साधुवाद देता हूँ।

(प्रो. आनन्द कुमार त्यागी)

Tel : +91-542-2225472 (O), 2221268 (R), 2223160 (Camp Off.), Fax : 2225472(O), 2221268 , E-mail:vcmgkvp@gmail.com

प्रो. शोभा गौड़
कुलपति
माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय
मीरजापुर

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अपार हर्ष और गर्व की अनुभूति हो रही है कि श्री महंथ रामाश्रय दास स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भुड़कुड़ा, गाज़ीपुर अपनी स्वर्ण जयंती के पावन अवसर पर महाविद्यालय की पत्रिका 'अपराजिता' का विशेषांक प्रकाशित कर रहा है। यह अवसर केवल एक संस्थान की उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि पूर्वांचल की ज्ञान-परंपरा, सांस्कृतिक चेतना और शैक्षिक धारा का अभिनव उत्सव भी है।

पचास वर्षों की यह यात्रा साधारण नहीं, बल्कि सतत तपस्या और निरंतर समर्पण का उज्ज्वल परिणाम है। इस संस्थान ने ग्रामीण अंचलों में शिक्षा की ज्योति प्रज्वलित की, पीढ़ियों को संस्कार और विद्या का अमृत प्रदान किया तथा असंख्य छात्र-छात्राओं के जीवन को नई दिशा और दृष्टि दी। 'अपराजिता' का यह विशेषांक निश्चय ही संस्थान की गौरवगाथा, अकादमिक उपलब्धियों और रचनात्मकता का अमूल्य दस्तावेज़ बनकर आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध होगा।

इस ऐतिहासिक अवसर पर मैं महाविद्यालय के प्रबन्धतंत्र, प्राचार्य, अध्यापकों, छात्रों तथा पूर्व छात्रों को हृदय से साधुवाद एवं मंगलकामनाएँ अर्पित करती हूँ। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह संस्थान अपनी उज्ज्वल परंपरा को निरंतर समृद्ध करते हुए भविष्य में और भी ऊँचाइयाँ स्पर्श करेगा तथा समाज और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में अपनी प्रेरणादायी भूमिका निभाता रहेगा।

स्वर्ण जयंती समारोह एवं 'अपराजिता' विशेषांक की सर्वतोमुखी सफलता हेतु मेरी ओर से अनंत शुभकामनाएँ।

Shobha Gaur

प्रो0 शोभा गौड़
कुलपति

प्रोफेसर संजीत कुमार गुप्ता
कुलपति
Prof. Sanjeet Kumar Gupta
Vice-Chancellor

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय
बलिया- 277301, उत्तर प्रदेश
Jananayak Chandrashekhar University
Ballia-277301, Uttar Pradesh
Web. : www.jncu.ac.in
E-mail : vcjncuballia@gmail.com

पत्रांक : जे.एन.सी.यू./कु./74/2025

दिनांक : 03.09.2025

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता है कि श्री महंथ रामाश्रय दास स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भुड़कुड़ा, गाजीपुर अपनी स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'अपराजिता' का प्रकाशन कर रहा है। विश्वास है कि यह पत्रिका महाविद्यालय की अकादमिक, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक उपलब्धियों का दस्तावेज होगी एवं इस पत्रिका में संगृहीत तथ्य छात्र-छात्राओं, महाविद्यालय परिवार एवं समाज के लिए उपयोगी एवं लाभकारी सिद्ध होंगे।

इस पत्रिका के प्रकाशन के लिये महाविद्यालय परिवार को शुभकामनाएँ एवं महाविद्यालय के शैक्षिक प्रगति व उन्नयन के लिए मंगल कामना।

प्रो० (संजीत कुमार गुप्ता)
कुलपति

प्रो. हरिकेश सिंह
Prof. Harikesh Singh
Ex. Vice-Chancellor
Jai Prakash University
Chapra (Saran,) Bihar, INDIA

Permanent Address :
Vill + Post : Ghariha, District : Ghazipur
Uttar Pradesh
Current Address :
A-2 Heritage Road, Bhagawanpur
(Lanka), Varanasi- 221005 (U.P.) INDIA
E-mail: harikeshsingh1952@gmail.com
Mob : No. +91 6202213898

Ref..........................   Date...05.09.2025.........

शुभकामना संदेश

भारतवर्ष में आध्यात्मिक महापुरुषों की साधना स्थलियों में निर्मित विद्या संस्थान अभी भी आमजन का ध्यान आकर्षित करते ही हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश का जनपद गाधिपुरी अब गाजीपुर महान सिद्धों की तपस्थली रहा है, यही कारण था कि आदर के साथ इसे 'लहुरी काशी' भी कहते हैं। भुड़कुड़ा एक ऐसी ही श्रेष्ठ आध्यात्मिक सिद्धपीठ रही है, जिसकी ख्याति राष्ट्रीय स्तर पर है।

महन्थ रामाश्रय दास जी लोक हितकारी सिद्ध महात्मा थे, जो ज्ञान की महत्ता को उच्च स्थान देते हैं। ऐसे महान साधक सन्त द्वारा संस्थापित ' श्री महन्थ रामाश्रय दास स्नातकोत्तर महाविद्यालय , भुड़कुड़ा,गाजीपुर (उत्तर प्रदेश)' पूर्वांचल का एक अग्रणी ज्ञानमन्दिर है, जो अब अपने स्थापना के इतिहास का स्वर्ण जयन्ती वर्ष मना रहा है।

इस महाविद्यालय के यशस्वी प्राचार्य स्मृति शेष डॉ. इन्द्रदेव सिंह जी के पद चिन्हों के अनुगामी वर्तमान योग्य प्राचार्य डॉ. बृजेश कुमार जायसवाल जी ने इस महाविद्यालय की कुटुम्ब पत्रिका 'अपराजिता' के स्वर्ण जयंती विशेषांक के प्रकाशन का स्तुत्य निर्णय लिया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि सुयोग्य सम्पादन मण्डल की देखरेख में इस महाविद्यालय परिवार के सभी वर्ग के मित्रगण अपनी अपनी श्रेष्ठ रचनाओं के योगदान से इस पत्रिका को गुणवत्ता प्रदान करेंगे।

इस स्वर्ण जयंती वर्ष में मैं इस सिद्धपीठ के सभी महान ऋषि तुल्य महन्थों की आत्माओं से यही प्रार्थना करता हूं कि वे इस संस्थान के सभी सदस्यों के अभीष्ट को प्राप्त करायें।

असीम स्नेह और शुभकामनाओं सहित।

हरिकेश सिंह

Former Dean & Head
Faculty of Education
B.H.U., Varanasi, U.P.,INDIA

Former Head
Dept of Foundations of Education
NUEPA New Delhi, INDIA

Former President
Teachers' Association,
B.H.U., INDIA

Former National Vice-President
Acharyakul, INDIA

कुलसचिव
Registrar

कार्यालय : (05452) 252244
E-mail : connectpuregistrar@gmail.com
Web.: www.vbspu.ac.in
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर (उ0प्र0)
Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (U.P.)
Pin- 222003

Ref. : 3350/पू.वि.वि./कु0स0/2025

Date : 16.09.2025

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अपार हर्ष हुआ है कि श्री महंथ रामाश्रय दास स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भुड़कुड़ा, गाजीपुर अपनी स्वर्ण जयंती के पावन अवसर पर महाविद्यालय की पत्रिका अपराजिता का विशेषांक प्रकाशित कर रहा है। यह इस महाविद्यालय के दीर्घ और गौरवशाली शैक्षिक-सांस्कृतिक अवदान का उत्सव तो है ही, पूर्वांचल की ज्ञानपरंपरा और समाजजीवन की चेतना का अभिनव पर्व भी है।

पचास वर्षों की यह यात्रा साधारण नहीं, बल्कि एक सतत साधना है- एक ऐसी साधना, जिसने ग्रामीण अंचलों में शिक्षा की अलख जगाई, पीढ़ियों को ज्ञान संस्कार का वरदायिनी प्रकाश प्रदान किया और अनगिनत छात्र-छात्राओं के जीवन को नयी दिशा दी। इस दीर्घकालीन तपस्या की परिणति अपराजिता के इस विशेषांक के रूप में होगी, जो निश्चय ही संस्थान की अकादमिक उपलब्धियों, सांस्कृतिक चेतना और रचनात्मक प्रतिभा का अमूल्य दस्तावेज सिद्ध होगा।

इस ऐतिहासिक अवसर पर मैं महाविद्यालय के प्रबन्ध तंत्र, प्राचार्य, शिक्षकों, छात्रों एवं पूर्व छात्रों को हृदय की गहराइयों से साधुवाद और मंगलकामनाएँ प्रेषित करता हूँ। मुझे विश्वास है कि यह संस्थान अपनी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए भविष्य में और भी ऊँचाइयाँ प्राप्त करेगा तथा समाज और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में अपनी प्रेरणादायी भूमिका का निर्वहन करता रहेगा।

स्वर्ण जयंती समारोह एवं अपराजिता विशेषांक की सर्वतोमुखी सफलता हेतु मेरी ओर से अनंत हार्दिक शुभकामनाएँ।

अ[illegible]
16/09/25

(डॉ0 विनोद कुमार सिंह)
कुलसचिव

Phone : 011-20862475, 26105211
www.chd.education.gov.in

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
केंद्रीय हिंदी निदेशालय
CENTRAL HINDI DIRECTORATE
शिक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF EDUCATION
(उच्चतर शिक्षा विभाग)
(DEPARTMENT OF HIGHER EDUCATION)
पश्चिमी खंड–7, रामकृष्ण पुरम्, नई दिल्ली–110066
WEST BLOCK-VII, RAMA KRISHNA PURAM, New Delhi-110066

सत्यमेव जयते

हितेंद्र कुमार मिश्र

निदेशक
DIRECTOR

मि. सं.1-1/2025-Director/02

दिनांक
Dated :
04.09.2025

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है कि श्री महंथ रामाश्रय दास स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भुड़कुड़ा, गाजीपुर की वार्षिक पत्रिका **अपराजिता** अपने स्वर्ण जयंती वर्ष में प्रवेश कर रही है | इस उपलक्ष्य में महाविद्यालय द्वारा पत्रिका का स्वर्ण जयंती विशेषांक प्रकाशित किया जा रहा है | पत्रिका की पाँच दशकों की यह यात्रा न केवल हिंदी जगत में एक मील का पत्थर है, बल्कि संतों की महान ज्ञान परंपरा, सामासिक संस्कृति और सामाजिक कल्याण के लिए उनकी प्रतिबद्धता की वाहक भी है | मुझे विश्वास है कि पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने शैक्षिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक विचारों को पल्लवित करने की प्रेरणा मिल रही है जिससे वे न केवल अपने सुखद भविष्य का निर्माण कर सकेंगे बल्कि राष्ट्र के उन्नयन में भी अपना योगदान दे सकेंगे |

इस अविस्मरणीय एवं ऐतिहासिक अवसर पर मैं आप सबको हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ। इस स्वर्णिम पड़ाव पर, मैं यह भी कामना करता हूँ कि पत्रिका भविष्य में भी अपनी गौरवशाली विकास-पथ पर अग्रसर रहे और अपनी वैश्विक पहचान स्थापित करे |

शुभकामनाओं सहित ....

04.09.25

(हितेंद्र कुमार मिश्र)

श्री महंथ शत्रुघ्नदास जी

(पीठाधीश्वर, सिद्धपीठ भुड़कुड़ा)

शुभकामना संदेश

पहले गुरु को गाइए जे गुरु रचा जहान
पानी से पैदा किया अलख पुरुष निर्वाण।

प्रातः स्मरणीय गुरु महाराज के नाम से उनके ही करकमलों द्वारा सिद्धपीठ की तपोभूमि पर उच्च शिक्षा का यह प्रकल्प 14 सितम्बर, 1972 ई.में स्थापित किया गया। महाविद्यालय परिसर में पूज्य गुरु महाराज की पावन प्रतिमा की स्थापना के साथ 'अपराजिता' के स्वर्ण जयंती विशेषांक का प्रकाशन होने जा रहा है। निजी तौर पर मेरे लिए यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि 'अपराजिता' केवल साहित्यिक संकलन नहीं होगी अपितु यह संस्थान की आत्मा का स्वर, छात्रों की चेतना का प्रतिबिम्ब और शिक्षकों की मार्गदर्शक दृष्टि का दर्पण साबित होगी। मेरी शुभकामना है कि यह महाविद्यालय ज्ञान और संस्कृति का ऐसा तीर्थ बने जहाँ से राष्ट्र और समाज को सत्पथ दिखाने वाले महापुरुष निकलें। श्री महंथ रामाश्रय दास स्नातकोत्तर महाविद्यालय से पढ़ाई पूरी कर निकलने वाले विद्यार्थियों का जीवन सेवा, साधना और समर्पण का आदर्श बने। पीठ के सद्‌गुरुओं की कृपा आप सबका मार्गदर्शन करे तथा आपको आत्मशक्ति, विवेक एवम् करुणा से परिपूर्ण करें। अन्त में,महाविद्यालय के सुयोग्य प्राचार्य, विद्वान शिक्षकों, सम्पादक मण्डल, कर्मचारियों एवम् आत्मवत विद्यार्थियों को बधाई देते हुए पूर्ववर्ती सभी सद्‌गुरुओं को साहेब सतनाम!

श्री महंथ शत्रुघ्नदास
(अध्यक्ष/प्रबन्धक)